

प्रेषक,

आर०डी०पालीवाल,
सचिव एवं विधि परामर्शी,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

महाधिवक्ता, उत्तराखण्ड,
नैनीताल ।

न्याय अनुभाग : 2

विषय:- वित्तीय वर्ष 2006-2007 के लिए अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से अतिरिक्त धनराशि के व्यावर्तन की स्वीकृति ।

देहरादून : दिनांक : 31 जनवरी, 2007

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या 301/2006-07, दिनांक 11.01.2007 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें ।

2. इस सम्बन्ध में शासनादेश संख्या: 2-दो(6)/XXXVI(1)/2006-1-दो(6)/06, दिनांक 27.4.2006 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि महाधिवक्ता कार्यालय के उपयोगार्थ संलग्न बी०एम०-15 के स्तम्भ-1 में अंकित मद संख्या-08 में अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से बी०एम०-15 के स्तम्भ-5 में अंकित मदों में कुल रु० 2,50,000/- (रुपये दो लाख पचास हजार मात्र) को धनराशि के व्यावर्तन की स्वीकृति निम्न शर्तों के अधीन महामहिम राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं :-

- (1) उपर्युक्त धनराशि बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों तथा शासन के अन्य आदेशों का पालन किया जाय ।
- (2) यह भी सुनिश्चित करें कि उपर्युक्त अनुदान से अधिक व्यय किसी भी दशा में न किया जाय ।
- (3) व्यय इसी मद में किया जायेगा जिसके लिए यह धनराशि स्वीकृत की जा रही है ।

3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजन-114-विधि सलाहकार और परामर्शदाता(काउन्सिल)-03-महाधिवक्ता-00" के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा ।

4. यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अशासकीय संख्या-28/XXVII(5)/2007, दिनांक 18.1.2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं ।

भवदीय,

(आर०डी०पालीवाल)
सचिव ।

संलग्नक- यथोक्त ।

संख्या : 8-दो(6)/XXXVI(1)/2006-1-दो(6)/06-तदुद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून ।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
- 3- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन ।
- 4- एन०आई०सी०/सम्बन्धित सहायक/गार्ड फुल ।

आज्ञा में,

(आलोक कुमार वर्मा)

श्री. पृथ-१३

पुनर्विभाग 2006-2007 अर्थात् जनवरी

नियंत्रक अधिकारी का नाम- महर्षिगंगा, उत्तराखण्ड, नैनीताल ।
प्रशासनिक विभाग का नाम- न्याय विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।

(धनराशि हजार का)

बजट प्राविधान तथा लेखा शीर्षक का विवरण	मानक मदवार अन्तर्गतिक व्यय	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सालान्वे)	लेखा शीर्षक जिसमें धनराशि खराबनाशित की जागी है ।	पुनर्विभाग के बाद व्यय-5 की कुल धनराशि	पुनर्विभाग के बाद व्यय 1 से अवशेष धनराशि	अवशेष
1	2	3	4	5	6	7	8
2014- न्याय प्रशासन-00-अर्थात् जनवरी-114-1-विधि सलाहकार और परामर्शदाता(कानूनिकल)-03-महर्षिगंगा				2014- न्याय प्रशासन-00-अर्थात् जनवरी-114-विधि सलाहकार और परामर्शदाता (कानूनिकल)-03-महर्षिगंगा			
08-कार्यलय व्यय	1000	360	200	440-क	150	590	750
				09-विद्युत देय	50	200	
				10-उत्तराखण्ड/उत्तर प्रदेश	20	40	
				15-नार्डिब का अनुदान और केटीएस खाते की वसुली	30	260	
					250	1090	750
कुल धनराशि	1000	360	200	440			

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विभाग में बजट में अनुदान के अंतर्गत 360-150 से अधिकवित्त प्रभावशील एवं लेखाई का उत्तरदायक की प्रमाणित किया गया है ।

(अवशेष अनुसार धन)
अवशेष शीर्षक ।

उत्तराखण्ड शासन
वित्त विभाग

संख्या-28-क/XXV(15)/2007
देहरादून 1 दिनांक 18 जनवरी, 2007
पुनर्विभाग अधिकारी

लेखा नो.

महर्षिगंगाकार (लेखा एवं इकाई),
उत्तराखण्ड, उत्तराखण्ड विभाग, सहायक सचिव,
माधवा, देहरादून ।

पुनर्विभाग अधिकारी,
अवशेष शीर्षक, वित्त ।

संख्या- 8-डी(6)XXV(15)/2006-1-डी(6)08-वित्तिक ।

- प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-
1. महर्षिगंगा, उत्तराखण्ड, नैनीताल ।
 2. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
 3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
 5. वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन/पुनर्विभाग/15-नार्डिब/सहायक सचिव/माधवा, देहरादून ।

आज्ञा से

(अवशेष अनुसार धन)
अवशेष शीर्षक ।